देदो सहारा श्याम तेरी ही भुलाई आ

देदो सहारा श्याम तेरी ही भुलाई आ,
जग तो किनारा कर दर तेरे आई आ,
देदो सहारा श्याम तेरी ही भुलाई आ

साढ़े जाहे निमानिया दा इको तू ही रबवे,
गुण हीं आ मैं तू न गुण मेरे को लभ वे,
माया विच फस किती चंगी न कमाइयाँ,
देदो सहारा श्याम तेरी ही भुलाई आ

किरपा दी कोर कर कर्म कमा दे नाल,
किती जो अर्ज मैं चेती पुजवा देना,
मेरे तो न रूसो करो दूर रूश्वाईयाँ,
देदो सहारा श्याम तेरी ही भुलाई आ

होया की कसूर मेथो कित्या ने दूरिया,
इक बारी दस आके की ने मजबूरियां,
गुठ गुठ जिनि आ मैं जग रुस्वाइयाँ,
देदो सहारा श्याम तेरी ही भुलाई आ

पल्ला फ़दया मैं तेरा श्यामा तेरी दासी,
गोपली पागल जन माँ को उबासी,
आसा मैं मैं अपनीया तेरे ते लाइयाँ,
देदो सहारा श्याम तेरी ही भुलाई आ

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/13884/title/de-do-sahara-shyam-teri-hi-bulaai-aa

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |